

वशिव धरोहर एवं पर्यटन स्थल के रूप में वकिसति होगा परसदिध ऐतहिसकि शहर अग्रोहा चर्चा में क्यों?

15 अक्तूबर, 2023 को हरयिणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरयिणा में अग्रोहा धाम के ऐतहिसकि पुरातत्त्व स्थल पर एक परतषिठति संग्रहालय की स्थापना की जाएगी। साथ ही राखीगढी की तरज़ पर अब ऐतहिसकि स्थल अग्रोहा को वकिसति कया जाएगा।

परमुख बदि

- मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पंचकूला में परथम नवरात्रके अवसर पर माता मनसा देवी मंदिर परसिर में पूजा-अरचना करने के उपरांत पत्रकार वार्ता को संबोधति करते हुए यह जानकारी दी।
- मनोहर लाल ने कहा कि अग्रोहा के पुरातात्त्वकि स्थल को महाराजा अग्रसेन की राजधानी माना जाता है। इस स्थल के वकिसति होने से न केवल आस्था का यह केंद्र वशिव में अपनी पहचान बनाएगा, बल्कयिह स्थल पर्यटन के रूप में भी वखियात होगा।
- केंद्र सरकार ने अग्रोहा पुरातात्त्वकि स्थल एवं नकिटवर्ती कषेत्र का समग्र वकिस राखीगढी मॉडल के अनुसार एमओयू के माध्यम से करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है।
- उन्होंने बताया कि अग्रोहा पुरातत्त्व स्थल की खुदाई भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (एएसआई) और हरयिणा राज्य पुरातत्त्व वभिाग द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी। खुदाई शुरू करने से पहले, राज्य सरकार द्वारा संभावति कषेत्रों में जीपीआर सर्वेक्षण कया जाएगा। उसके बाद एएसआई और हरयिणा सरकार के बीच जॉइंट एमओयू होगा।
- वदिति हो कि हरयिणा के हसिर ज़िले में केंद्रीय संरक्षण स्थल अग्रोहा में उत्खनन के संबंध में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. कशिन रेडडी को अगस्त माह में पत्र लखि था। मुख्यमंत्री ने इच्छा जताई थी कि हरयिणा सरकार परसदिध ऐतहिसकि शहर अग्रोहा, तहसील आदमपुर, ज़िला हसिर में पुरातात्त्वकि वरिसत को उजागर करना चाहति है, ताकि राज्य के ऐतहिसकि व सांस्कृतकि कषेत्र में एक महत्त्वपूर्ण अधयाय जुड़े।
- उन्होंने इस स्थल को हरयिणा में एक भव्य वरिसत स्थल में बदलने और पुरातत्त्व स्थल संग्रहालय की स्थापना के लयि एक परयोजना शुरू करने का भी अनुरोध कया है।
- खुदाई के दौरान अग्रोहा जनपद (गणराज्य) के सकिकों की खोज और महाभारत सहति प्राचीन साहित्य में इसका प्राचीन नाम 'अग्रडोका' का आना इसके गणतंत्र का मुख्यालय होने के पर्याप्त प्रमाण हैं।
- अग्रोहा शहर तक्षशाला और मथुरा के बीच प्राचीन व्यापार मार्ग पर स्थति था और इसलयि यह वाणज्य और राजनीतिक गतिविधियों का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र बना रहा। पहले की खुदाई से इस स्थल की क्षमता साबति हुई और लगभग चौथी शताब्दी से लेकर चौदहवीं शताब्दी ईस्वी तक की पाँच अलग-अलग सांस्कृतकि अवधियों का पता चला है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्त हरयिणा में 100 से अधिक पुरातत्त्व स्थलों की पहचान की गई है। इन्हें केंद्र व राज्य सरकार मलिकर वकिसति कर रही हैं। जसि प्रकार राखीगढी की वरिसत को संरक्षण करने के लयि केंद्र सरकार द्वारा लगभग 23 करोड़ रुपए प्रदान कयि जा रहे हैं, उसी प्रकार अग्रोहा के लयि भी वतितपोषण प्रदान कया जाएगा। इसके अतरिकित, राज्य सरकार भी पर्याप्त मात्रा में बजट उपलब्ध करवाएगी।